KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Significance of the Location

(अवस्थिति का महत्व)

→ भारत 2 जलवायु कटिबंधों में अवस्थिति है।

India is situated in 2 climatic zone.

- कर्क रेखा के ऊपर की ओर शीतोष्ण कटिबंध
- कर्क रेखा के दक्षिण की ओर उष्णकटिबंध है।

→भारत में उष्णकटि० व शीतो कटि० दोनों प्रकार की फसलों उत्पादन किया जा सकता है।

Both types of crops temprate and tropical Can be produced.

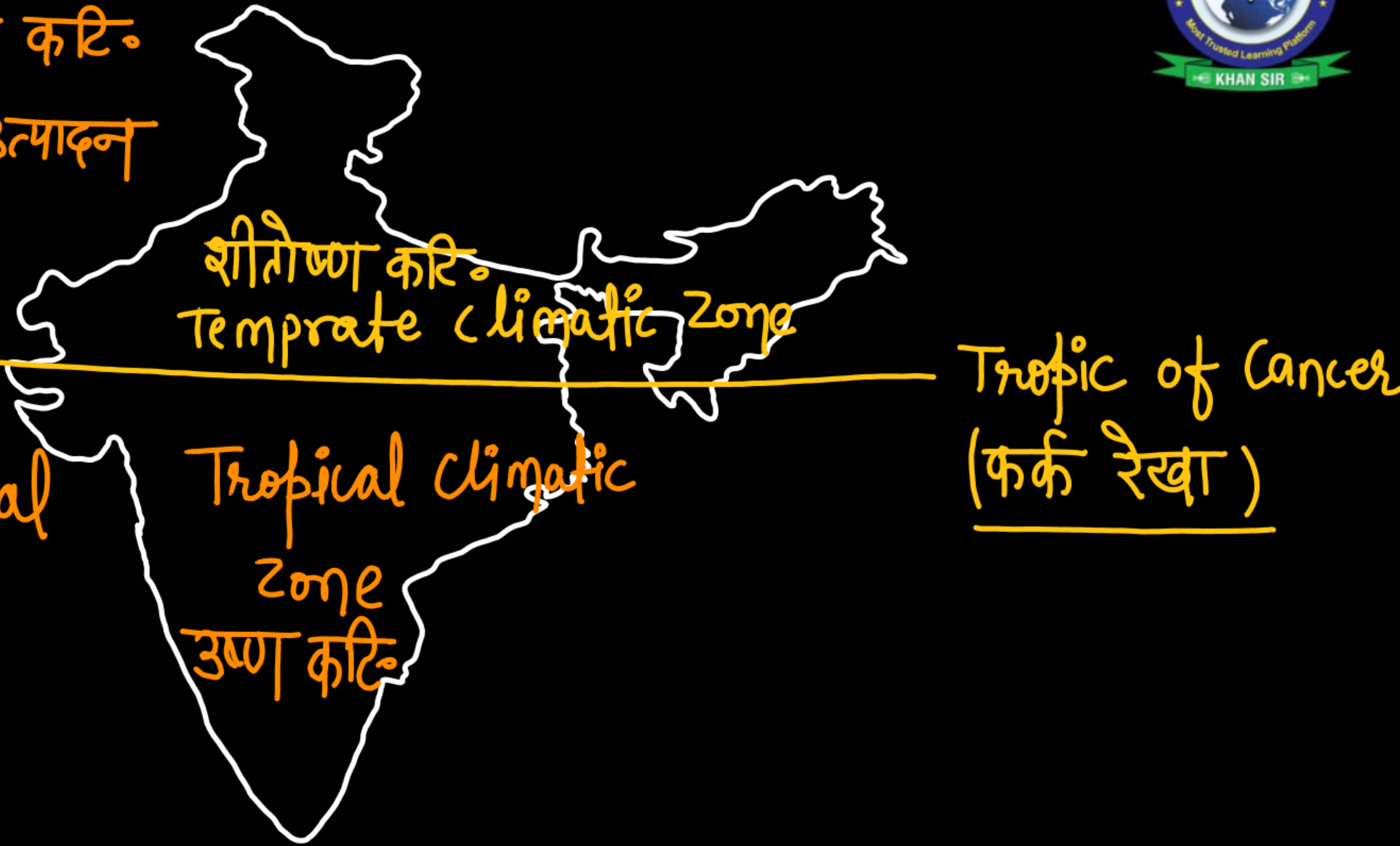

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

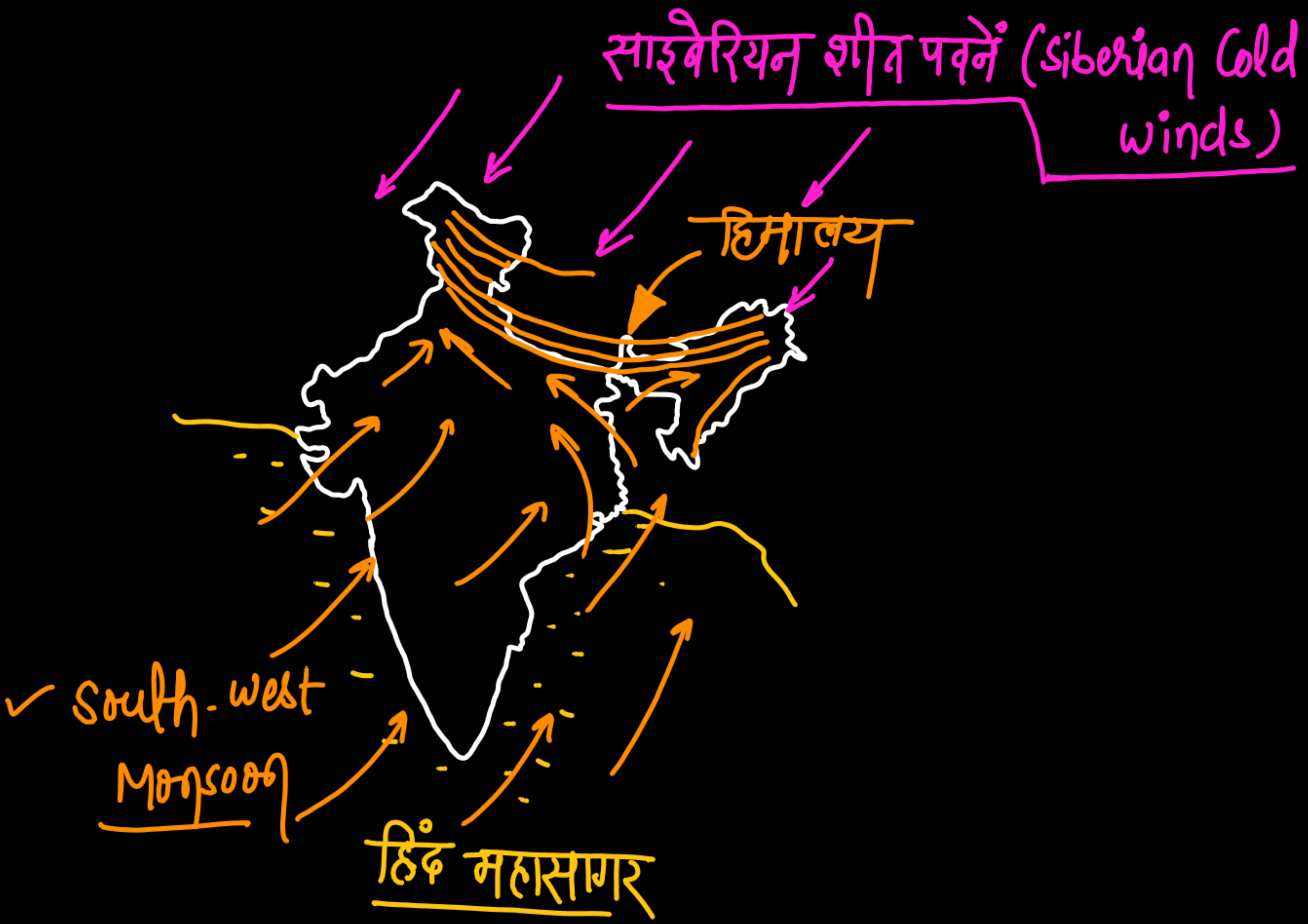

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

→ भारत हिमालय के दक्षिण में अवस्थित है अतः भारत साइबेरियन शीत पवनें प्रवेश नही कर पाती है।

India is situated in the south of Himalaya, so siberian Cold winds can not enter in India.

→ भारत में मानसूनी जलवायु का विकास हुआ है → कारण - location of Himalaya

Monsoon climate is developed in India due to the location of Himalaya

→ भारत की तटीय सीमा लगभग 7500 KM लंबी है जहाँ बड़े बंदरगाह स्थित है।
India has 7500 KM long coastal boundary, where large ports are situated.

→ भारत के तटीय क्षेत्रों से मत्स्यपालन व परिवहन किया जाता है।
Fishing and water transport can be done in Coastal sea.

→ भारत यूरोप व दक्षिणी-पूर्वी एशिया के व्यापारिक मार्ग के मध्य स्थित है।

India is situated in Mid of trade route of Europe and South-East Asia.

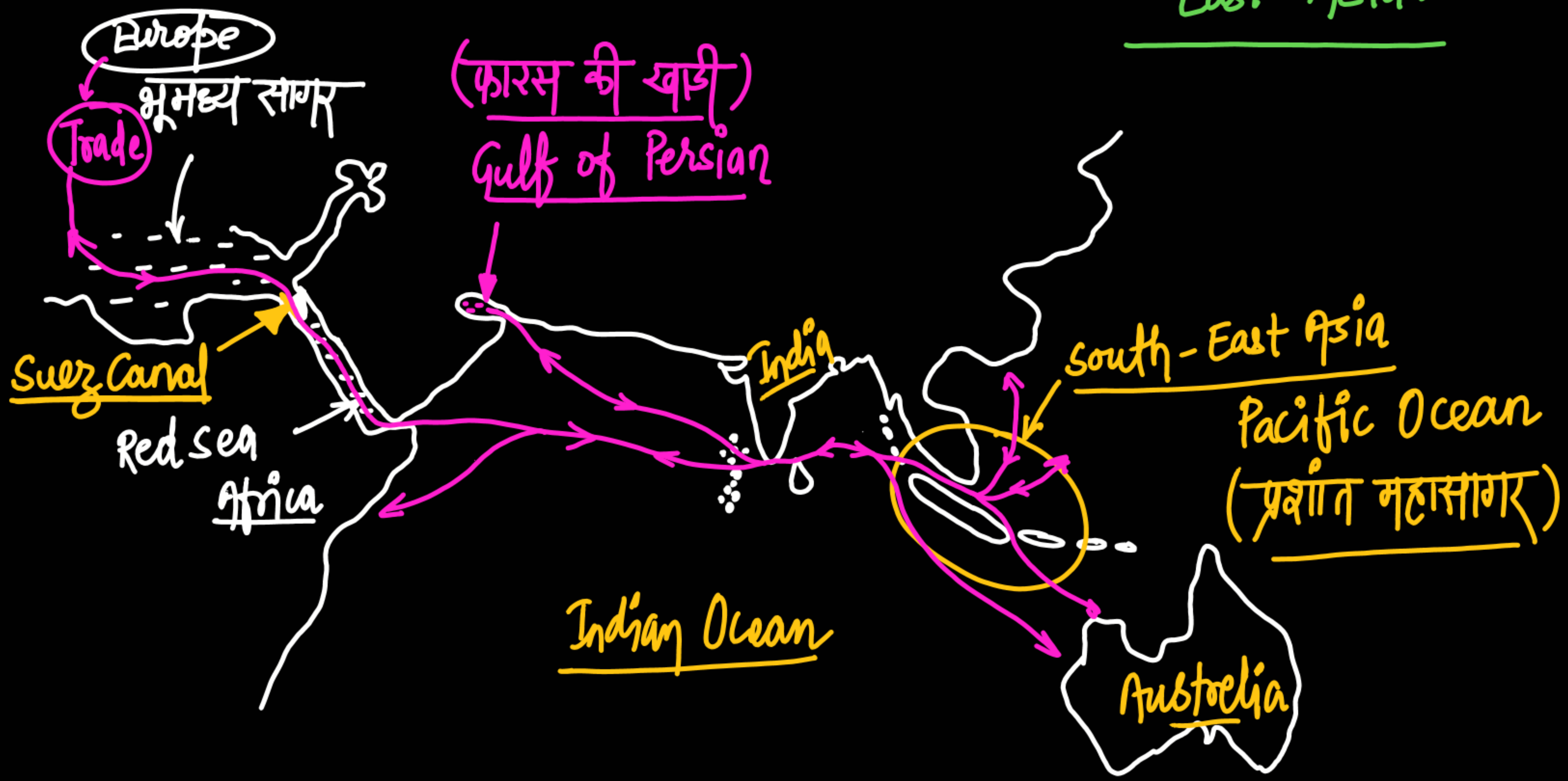

→ अपतटीय क्षेत्र से जीवाश्म खनिजों के भंडार प्राप्त होते है।

Fossil minerals are found from Off-shore area.

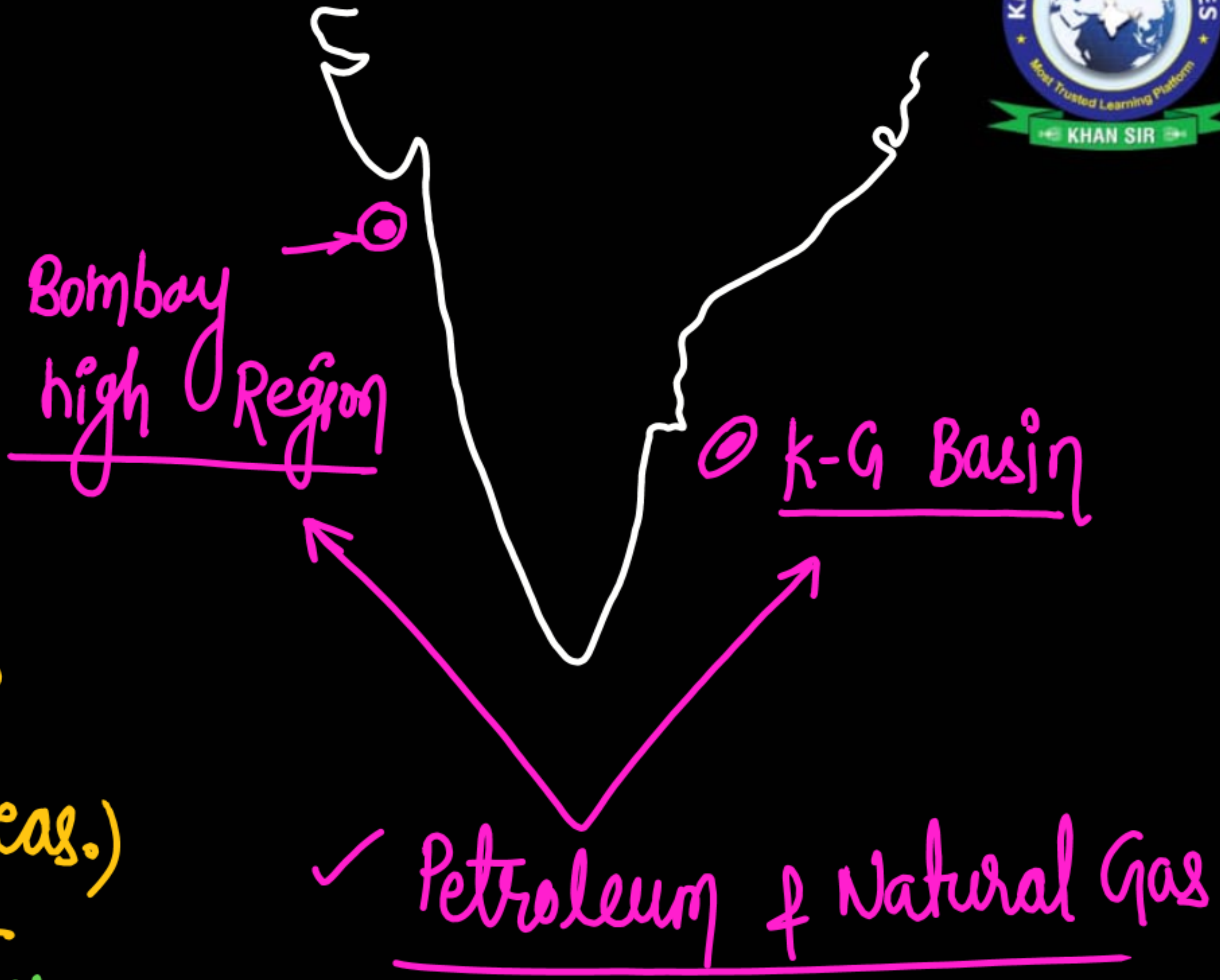

→ तटीय क्षेत्रों में पर्यटन का विकास हुआ है

(Tourism is developed in Coastal Areas.)

→ तटीय क्षेत्रों मे समजलवायु का विकास हुआ है।

(Modrate Climate is found in Coastal areas.)

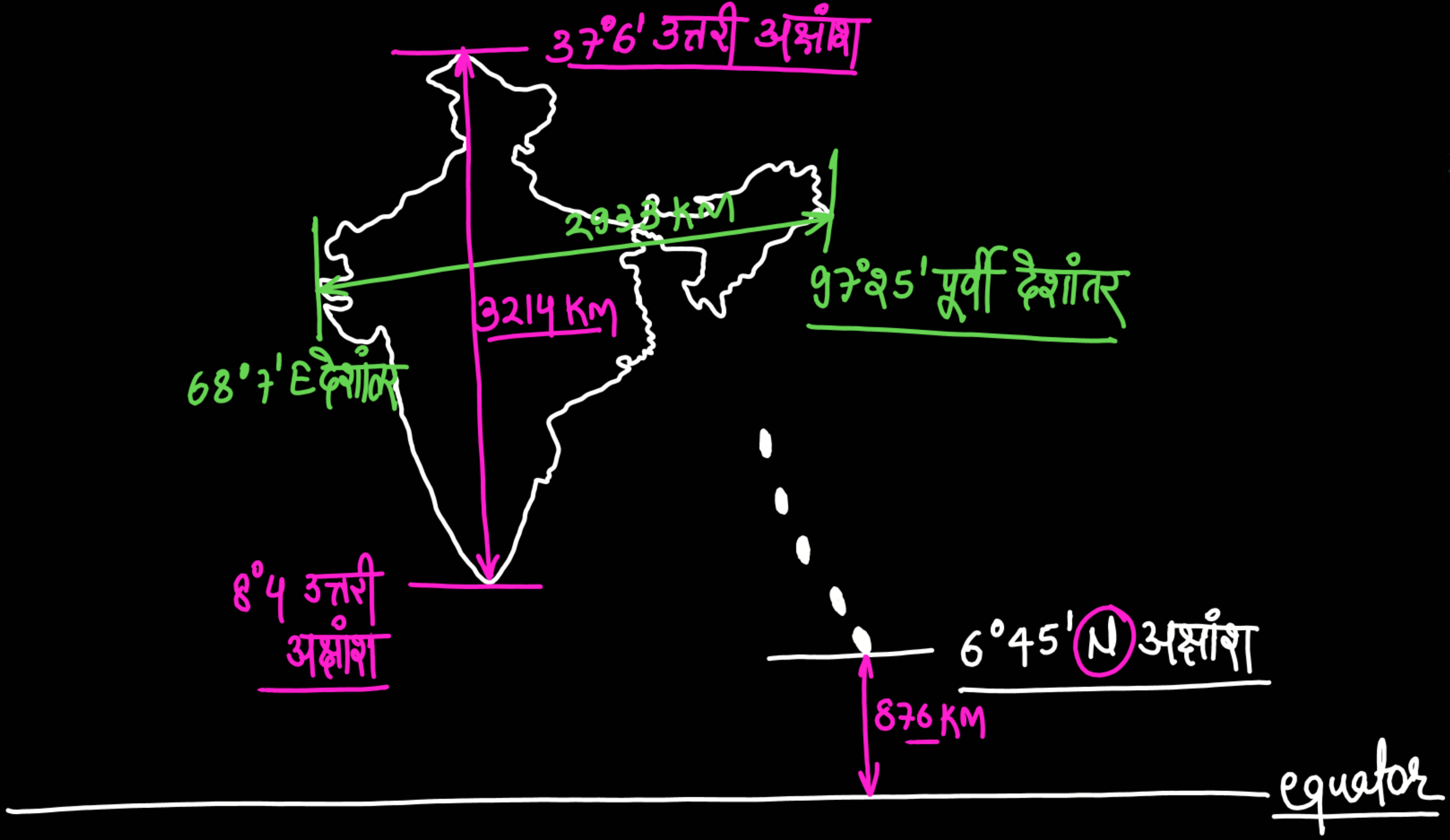
37°6' उत्तरी अक्षांश
2933 KM
3214 KM
97°25' पूर्वी देशांतर
68°7' E देशांतर
8°4 उत्तरी अक्षांश
6°45' N अक्षांश
876 KM
equator

Demerit of Coastal Location

तटीय अवस्थिति के नुकसान

↓

↳ Global warming से समुद्री जल स्तर का बढ़ना।

↳ सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाएं।

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

भारत का अक्षांशीय व देशांतरीय विस्तार

(Latitudnal and Longitudnal extension of India)